तिक विपदा को देखते हुए किसानों की लगान, आवपाशी व सभी सरकारी वसूलयाबी व बैंकों को जमा करने वाली किश्तें अगली फसल तक स्थगित कर दें। तथा इस समय उनको खाद, बीज तथा अन्य जरूरत की चीजों को खरीदने के लिए ऋण तथा अनुदान के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जाय तथा जिन लोगों की जन-धन तथा अन्य प्रकार की हानि हुई है उन्हें भी आर्थिक सहायता पहुंचा कर राहत दिलायें तथा रोगों से पीड़ित लोगों को दवाओं आदि की व्यवस्था सुलभ कराई जाये।

(iii) Need for Television Facilities at Mangalore and Udipi

SHRI OSCAR FERNANDES (Udipi) : **In Karnataka State Udipi in South Kanara district is the popular pilgrim centre because there is the famous temple of Krishna and it is a centre of study for Dvaita philosophy. Mangalore is the port town of historical importance. They are attracting visitors from various parts of the country. They are progressing very fast in the entire State. In spite of this, the people are deprived of television facilities. There is a long standing demand from the people of this area for a television centre and the centre has to look into this request sympathetically. Mangalore and Udipi have become forerunners in industrial and agricultural fields in the State and in the field of education these areas are far ahead of all centres of the State. If television facilities are provided to this area then it would provide further impetus for other areas of the State to emulate the efforts of Mangalore and Udipi.

South Canara is predominantly dominated by backward classes and many of them are depending upon agriculture. The 'Krishi-darshan' over television will inspire the agriculturists here. Mangalore and Udipi centres already have microwave stations and, therefore, television facilities can be provided here by spending just two or three lakhs.

Therefore, I urge the hon. Minister for Information and Broadcasting to sanction television facilities to Mangalore and Udipi immediately. I also request him to speed up the work of setting a fullfledged television centre for the State.

(iv) Effective Implementation of the 20-Point Programme in Bihar

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिया) उपाध्यक्ष महोदय, देश के आर्थिक विकास हेतु प्रधान मंत्री जी ने 20 सूत्री कार्यक्रम का सूत्रपात किया है और इसके पूर्ण क्रियान्वयन हेतु केन्द्र ने राज्य सरकारों को राय दी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत नई-नई योजनायें चालू करें ताकि समाज के पिछड़े वर्ग के लोगों का उत्थान हो सके। समाज के कमजोर वर्ग हरिजन व आदिवासियों की स्थिति सुधारने हेतु आर्थिक विकास में तीव्रता लानी होगी। बिहार में 20 सूत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत पीने का पानी उपलब्ध कराने, वृक्षारोपण, बन्धक श्रमिकों का पुनर्वास, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम लागू करने, भूमिहीनों को जमीन का आवंटन, मकान हेतु जमीन दिलाने की तत्काल व्यवस्था करनी है और जनता को सुख-चैन हेतु आश्वस्त भी तभी किया जा सकता है जब समाज का बहुमुखी विकास हो, अन्यथा सारा प्रयास अधूरा रह जायेगा। गावों में विद्युतीकरण किया जाये। वायोगैस संयंत्र लगाये जायें तथा लिंक मार्ग मनाये जायें। केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार को उपयुक्त निर्देश दे कि सामाजिक सुरक्षा की नई योजनायें तुरन्त तैयार की जायं और उन्हें तत्काल लागू किया जाये। कृषि उत्पादन को बढ़ाने हेतु किसानों को केन्द्र द्वारा दी जाने वाली पम्पसेट खरीदने के लिए 33 प्रतिशत आर्थिक सहायता के स्थान पर और अधिक सहायता दी जाये। छोटे किसानों को बिजली के कनेक्शन हेतु अधिक वित्तीय सहायता दी जाये।

बिहार का भविष्य तेजी से आर्थिक विकास की योजनाओं व 20 सूत्री कार्यक्रम को लागू

**The original speech was delivered in Kannada.